

宋词 千家词

帘外雨潺潺，春意阑珊。罗衾不耐五更寒。梦里不知身是客，一晌贪欢。

独自莫凭栏，无限江山。别时容易见时难。流水落花春去也，天上人间。

李瑞安 / 编注





千家词



湖南出版 集团

（读本·原创书系·经典）



岳麓书社

图书在版编目(CIP)数据

千家词/李瑞安编注 .—长沙:岳麓书社,2004

ISBN 7—80665—504—2

I . 千 ... II . 李 ... III . 词(文学)-作品集 - 中
国 - 唐代 ~ 清后期 IV . I222.8

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2004)第 105959 号

千家词

作 者:李瑞安等 编注

责任编辑:刘 柯

封面设计:蔡 晟

岳麓书社出版发行

地址:湖南省长沙市新民路 10 号

电话:0731—8885616(邮购)

邮编:410006

2005 年 1 月第 1 版第 1 次印刷

开本:850×1168 毫米 1/32

印张:7.75

印数:1—6,000

ISBN7—80665—504—2/I·697

定价:13.50 元

承印:湖南望城县印刷厂印刷

地址:望城县湘江东路 251 号

邮编:410200

电话:0731—8062219

如有印装质量问题,请与承印厂联系

目 录

唐 五代

| | | |
|-----|-----------|-----------|
| 菩萨蛮 | 平林漠漠烟如织…… | 李 白(1) |
| 忆秦娥 | 箫声咽…… | 李 白(2) |
| 渔歌子 | 西塞山前白鹭飞…… | 张志和(2) |
| 调笑令 | 边草边草…… | 戴叔伦(3) |
| 潇湘神 | 斑竹枝…… | 刘禹锡(3) |
| 忆江南 | 江南好…… | 白居易(4) |
| 长相思 | 汴水流…… | 白居易(5) |
| 梦江南 | 兰烬落…… | 皇甫松(5) |
| 梦江南 | 楼上寝…… | 皇甫松(6) |
| 菩萨蛮 | 小山重叠金明灭…… | 温庭筠(6) |
| 菩萨蛮 | 玉楼明月长相忆…… | 温庭筠(7) |
| 菩萨蛮 | 南园满地堆轻絮…… | 温庭筠(8) |
| 更漏子 | 柳丝长…… | 温庭筠(8) |
| 更漏子 | 玉炉香…… | 温庭筠(9) |
| 梦江南 | 千万恨…… | 温庭筠(9) |
| 梦江南 | 梳洗罢…… | 温庭筠(10) |
| 浣溪沙 | 惆怅梦余山月斜…… | 韦 庄(10) |

| | | |
|-----|---------|---------|
| 浣溪沙 | 夜夜相思更漏残 | 韦庄(11) |
| 菩萨蛮 | 红楼别夜堪惆怅 | 韦庄(11) |
| 菩萨蛮 | 人人尽说江南好 | 韦庄(12) |
| 菩萨蛮 | 如今却忆江南乐 | 韦庄(12) |
| 菩萨蛮 | 劝君今夜须沉醉 | 韦庄(13) |
| 菩萨蛮 | 洛阳城里春光好 | 韦庄(13) |
| 女冠子 | 四月十七 | 韦庄(14) |
| 生查子 | 春山烟欲收 | 牛希济(14) |
| 诉衷情 | 永夜抛人何处去 | 顾夐(15) |
| 浣溪沙 | 蓼岸风多橘柚香 | 孙光宪(15) |
| 临江仙 | 金锁重门荒苑静 | 鹿虔辰(16) |
| 鹊踏枝 | 谁道闲情抛掷久 | 冯延巳(17) |
| 鹊踏枝 | 几日行云何处去 | 冯延巳(17) |
| 鹊踏枝 | 庭院深深深几许 | 冯延巳(18) |
| 采桑子 | 小堂深静无人到 | 冯延巳(18) |
| 采桑子 | 洞房深夜笙歌散 | 冯延巳(19) |
| 清平乐 | 雨晴烟晚 | 冯延巳(19) |
| 谒金门 | 风乍起 | 冯延巳(20) |
| 南乡子 | 细雨湿流光 | 冯延巳(21) |
| 浣溪沙 | 菡萏香销翠叶残 | 李璟(21) |
| 相见欢 | 林花谢了春红 | 李煜(22) |
| 捣练子 | 深院静 | 李煜(23) |
| 清平乐 | 别来春半 | 李煜(23) |
| 望江南 | 多少恨 | 李煜(24) |
| 子夜歌 | 人生愁恨何能免 | 李煜(24) |
| 相见欢 | 无言独上西楼 | 李煜(25) |
| 破阵子 | 四十年来家国 | 李煜(25) |
| 浪淘沙 | 往事只堪哀 | 李煜(26) |

- 浪淘沙 帘外雨潺潺..... 李煜(27)
虞美人 春花秋月何时了..... 李煜(27)

宋

- 点绛唇 雨恨云愁..... 王禹偁(29)
酒泉子 长忆西湖..... 潘阆(30)
酒泉子 长忆观潮..... 潘阆(30)
相思令 吴山青..... 林逋(30)
苏幕遮 碧云天..... 范仲淹(31)
渔家傲 塞下秋来风景异..... 范仲淹(32)
御街行 纷纷坠叶飘香砌..... 范仲淹(33)
凤栖梧 伫倚危楼风细细..... 柳永(33)
忆帝京 薄衾小枕凉天气..... 柳永(34)
诉衷情近 雨晴气爽..... 柳永(35)
雨霖铃 寒蝉凄切..... 柳永(35)
望海潮 东南形胜..... 柳永(36)
八声甘州 对潇潇暮雨洒江天..... 柳永(37)
江南柳 隋堤远..... 张先(38)
一丛花令 伤高怀远几时穷..... 张先(38)
天仙子 水调数声持酒听..... 张先(39)
木兰花令 龙头舴艋吴儿竟..... 张先(40)
青门引 乍暖还清冷..... 张先(40)
离亭燕 一带江山如画..... 张升(41)
浣溪沙 一曲新词酒一杯..... 晏殊(42)
浣溪沙 一向年光有限身..... 晏殊(42)
踏莎行 小径红稀..... 晏殊(43)
采桑子 时光只解催人老..... 晏殊(43)
清平乐 红笺小字..... 晏殊(44)

| | | |
|------|--------------|---------|
| 鹊踏枝 | 槛菊愁烟兰泣露..... | 晏殊(44) |
| 玉楼春 | 绿杨芳草长亭路..... | 晏殊(45) |
| 破阵子 | 燕子来时新社..... | 晏殊(45) |
| 玉楼春 | 东城渐觉春光好..... | 宋祁(46) |
| 采桑子 | 画船载酒西湖好..... | 欧阳修(46) |
| 采桑子 | 群芳过后西湖好..... | 欧阳修(47) |
| 浣溪沙 | 堤上游人逐画船..... | 欧阳修(47) |
| 浣溪沙 | 湖上朱桥响画轮..... | 欧阳修(47) |
| 生查子 | 去年元夜时..... | 欧阳修(48) |
| 浪淘沙 | 把酒祝东风..... | 欧阳修(48) |
| 玉楼春 | 尊前拟把归期说..... | 欧阳修(49) |
| 玉楼春 | 别后不知君远近..... | 欧阳修(50) |
| 踏莎行 | 候馆梅残..... | 欧阳修(50) |
| 桂枝香 | 登临送目..... | 王安石(51) |
| 千秋岁引 | 别馆寒砧..... | 王安石(52) |
| 菩萨蛮 | 数家茅屋闲临水..... | 王安石(53) |
| 清平乐 | 留春不住..... | 王安国(53) |
| 临江仙 | 梦后楼台高锁..... | 晏几道(54) |
| 清平乐 | 留人不住..... | 晏几道(54) |
| 鹧鸪天 | 彩袖殷勤捧玉钟..... | 晏几道(55) |
| 鹧鸪天 | 醉拍春衫惜旧香..... | 晏几道(55) |
| 蝶恋花 | 醉别西楼醒不记..... | 晏几道(56) |
| 阮郎归 | 旧香残粉似当初..... | 晏几道(56) |
| 生查子 | 关山魂梦长..... | 晏几道(57) |
| 卜算子 | 水是眼波横..... | 王观(57) |
| 菩萨蛮 | 溪山掩映斜阳里..... | 魏夫人(58) |
| 蝶恋花 | 钟送黄昏鸡报晓..... | 王诜(58) |
| 浣溪沙 | 簌簌衣巾落枣花..... | 苏轼(59) |

| | | | |
|------|--------------|-----|---------|
| 浣溪沙 | 山下兰芽短浸溪..... | 苏 | 轼(59) |
| 江城子 | 老夫聊发少年狂..... | 苏 | 轼(60) |
| 江城子 | 十年生死两茫茫..... | 苏 | 轼(61) |
| 江城子 | 凤凰山下雨初晴..... | 苏 | 轼(61) |
| 望江南 | 春未老..... | 苏 | 轼(62) |
| 水调歌头 | 明月几时有..... | 苏 | 轼(63) |
| 定风波 | 莫听穿林打叶声..... | 苏 | 轼(63) |
| 念奴娇 | 大江东去..... | 苏 | 轼(64) |
| 虞美人 | 湖山信是东南美..... | 苏 | 轼(65) |
| 卜算子 | 缺月挂疏桐..... | 苏 | 轼(65) |
| 蝶恋花 | 花褪残红青杏小..... | 苏 | 轼(66) |
| 鹧鸪天 | 林断山明竹隐墙..... | 苏 | 轼(66) |
| 水龙吟 | 似花还似非花..... | 苏 | 轼(67) |
| 卜算子 | 我住长江头..... | 李之仪 | (68) |
| 虞美人 | 芙蓉落尽天涵水..... | 舒 | 亶(68) |
| 清平乐 | 春归何处..... | 黄庭坚 | (69) |
| 鹧鸪天 | 黄菊枝头生晓寒..... | 黄庭坚 | (70) |
| 虞美人 | 天涯也有江南信..... | 黄庭坚 | (70) |
| 望江东 | 江水西头隔烟树..... | 黄庭坚 | (71) |
| 浣溪沙 | 漠漠轻寒上小楼..... | 秦 | 观(71) |
| 如梦令 | 遥夜沉沉如水..... | 秦 | 观(72) |
| 好事近 | 春路雨添花..... | 秦 | 观(73) |
| 望海潮 | 梅英疏淡..... | 秦 | 观(73) |
| 八六子 | 倚危亭..... | 秦 | 观(74) |
| 满庭芳 | 山抹微云..... | 秦 | 观(75) |
| 江城子 | 西城杨柳弄春柔..... | 秦 | 观(76) |
| 鹊桥仙 | 纤云弄巧..... | 秦 | 观(76) |
| 千秋岁 | 水边沙外..... | 秦 | 观(77) |

| | | |
|---------|---------|---------|
| 踏莎行 | 雾失楼台 | 秦 观(78) |
| 鹧鸪天 | 枝上流莺和泪闻 | 秦 观(78) |
| 减字木兰花 | 天涯旧恨 | 秦 观(79) |
| 清平乐 | 春风依旧 | 赵令畤(80) |
| 蝶恋花 | 欲减罗衣寒未去 | 赵令畤(80) |
| 捣练子 | 砧面莹 | 贺 铸(81) |
| 鹧鸪天 | 重过阊门万事非 | 贺 铸(81) |
| 青玉案 | 凌波不过横塘路 | 贺 铸(82) |
| 踏莎行 | 杨柳回塘 | 贺 铸(83) |
| 六州歌头 | 少年侠气 | 贺 铸(83) |
| 南柯子 | 十里青山远 | 僧仲殊(85) |
| 柳梢青 | 岸草平沙 | 僧仲殊(85) |
| 瑞龙吟 | 章台路 | 周邦彦(86) |
| 满庭芳 | 风老莺雏 | 周邦彦(87) |
| 六丑 | 正单衣试酒 | 周邦彦(88) |
| 西河 | 佳丽地 | 周邦彦(89) |
| 苏幕遮 | 燎沉香 | 周邦彦(90) |
| 蝶恋花 | 月皎惊乌栖不定 | 周邦彦(90) |
| 玉楼春 | 桃溪不作从容住 | 周邦彦(91) |
| 夜游宫 | 叶下斜阳照水 | 周邦彦(92) |
| 好事近 | 摇首出红尘 | 朱敦儒(92) |
| 采桑子 | 扁舟去作江南客 | 朱敦儒(93) |
| 相见欢 | 金陵城上西楼 | 朱敦儒(93) |
| 减字木兰花 | 刘郎已老 | 朱敦儒(94) |
| 如梦令 | 常记溪亭日暮 | 李清照(94) |
| 如梦令 | 昨夜雨疏风骤 | 李清照(95) |
| 凤凰台上忆吹箫 | 香冷金猊 | 李清照(95) |
| 一剪梅 | 红藕香残玉簟秋 | 李清照(96) |

| | | |
|------|---------|----------|
| 醉花阴 | 薄雾浓云愁永昼 | 李清照(97) |
| 武陵春 | 风住尘香花已尽 | 李清照(97) |
| 声声慢 | 寻寻觅觅 | 李清照(98) |
| 渔家傲 | 天接云涛连晓雾 | 李清照(98) |
| 南歌子 | 驿路侵斜月 | 吕本中(99) |
| 采桑子 | 恨君不似江楼月 | 吕本中(100) |
| 忆王孙 | 萋萋芳草忆王孙 | 李重元(100) |
| 临江仙 | 忆昔午桥桥上饮 | 陈与义(101) |
| 贺新郎 | 梦绕神州路 | 张元干(102) |
| 卜算子 | 风露湿行云 | 张元干(103) |
| 满江红 | 怒发冲冠 | 岳 飞(103) |
| 夜游宫 | 雪晓清笳乱起 | 陆 游(104) |
| 诉衷情 | 当年万里觅封侯 | 陆 游(105) |
| 鹧鸪天 | 家住苍烟落照间 | 陆 游(106) |
| 鹊桥仙 | 茅檐人静 | 陆 游(106) |
| 卜算子 | 驿外断桥边 | 陆 游(107) |
| 钗头凤 | 红酥手 | 陆 游(107) |
| 六州歌头 | 长淮望断 | 张孝祥(108) |
| 念奴娇 | 洞庭青草 | 张孝祥(109) |
| 西江月 | 问讯湖边春色 | 张孝祥(110) |
| 青玉案 | 年年社日停针线 | 黄公绍(111) |
| 水龙吟 | 楚天千里清秋 | 辛弃疾(111) |
| 菩萨蛮 | 郁孤台下清江水 | 辛弃疾(113) |
| 念奴娇 | 野塘花落 | 辛弃疾(113) |
| 摸鱼儿 | 更能消几番风雨 | 辛弃疾(114) |
| 贺新郎 | 绿树听鶗鴂 | 辛弃疾(115) |
| 祝英台近 | 宝钗分 | 辛弃疾(116) |
| 清平乐 | 绕床饥鼠 | 辛弃疾(117) |

| | | |
|-----|---------|----------|
| 清平乐 | 茅檐低小 | 辛弃疾(118) |
| 鹧鸪天 | 枕簟溪堂冷欲秋 | 辛弃疾(118) |
| 鹧鸪天 | 唱彻阳关泪未干 | 辛弃疾(119) |
| 鹧鸪天 | 壮岁旌旗拥万夫 | 辛弃疾(119) |
| 鹧鸪天 | 陌上柔桑破嫩芽 | 辛弃疾(120) |
| 青玉案 | 东风夜放花千树 | 辛弃疾(121) |
| 破阵子 | 醉里挑灯看剑 | 辛弃疾(122) |
| 鹊桥仙 | 松冈避暑 | 辛弃疾(122) |
| 西江月 | 明月别枝惊鹊 | 辛弃疾(123) |
| 西江月 | 醉里且贪欢笑 | 辛弃疾(124) |
| 永遇乐 | 千古江山 | 辛弃疾(124) |
| 水龙吟 | 闹花深处层楼 | 陈亮(125) |
| 唐多令 | 芦叶满汀洲 | 刘过(126) |
| 卜算子 | 独自上层楼 | 程垓(127) |
| 谒金门 | 春已半 | 朱淑真(127) |
| 点绛唇 | 燕雁无心 | 姜夔(128) |
| 鹧鸪天 | 肥水东流无尽期 | 姜夔(129) |
| 踏莎行 | 燕燕轻盈 | 姜夔(129) |
| 八归 | 芳莲坚粉 | 姜夔(130) |
| 扬州慢 | 淮左名都 | 姜夔(131) |
| 暗香 | 旧时月色 | 姜夔(132) |
| 疏影 | 苔枝缀玉 | 姜夔(133) |
| 风入松 | 一春长费买花钱 | 俞国宝(134) |
| 双双燕 | 过春社了 | 史达祖(135) |
| 玉楼春 | 年年跃马长安市 | 刘克庄(136) |
| 贺新郎 | 湛湛长空黑 | 刘克庄(136) |
| 风入松 | 听风听雨过清明 | 吴文英(137) |
| 踏莎行 | 润玉笼绡 | 吴文英(138) |

| | | | |
|-----|---------|-------|----------|
| 唐多令 | 何处合成愁 | | 吴文英(139) |
| 柳梢青 | 铁马蒙毡 | | 刘辰翁(139) |
| 酹江月 | 水天空阔 | | 邓剡(140) |
| 酹江月 | 乾坤能大 | | 文天祥(141) |
| 齐天乐 | 一襟余恨宫魂断 | | 王沂孙(142) |
| 一剪梅 | 一片春愁待酒浇 | | 蒋捷(143) |
| 昭君怨 | 担子挑春虽小 | | 蒋捷(144) |
| 虞美人 | 少年听雨歌楼上 | | 蒋捷(144) |
| 贺新郎 | 深阁绣帘垂 | | 蒋捷(145) |
| 清平乐 | 采芳人杳 | | 张炎(146) |
| 清平乐 | 候蛩凄断 | | 张炎(146) |
| 高阳台 | 接叶巢莺 | | 张炎(147) |
| 解连环 | 楚江空晚 | | 张炎(148) |

金 元 明

| | | | |
|-------|---------|-------|-----------|
| 诉衷情 | 夜寒茅店不成眠 | | 吴激(150) |
| 青杏儿 | 风雨替花愁 | | 赵秉文(151) |
| 浣溪沙 | 垂柳阴阴水拍堤 | | 李献能(151) |
| 迈陂塘 | 问世间情是何物 | | 元好问(152) |
| 迈陂塘 | 问莲根有丝多少 | | 元好问(153) |
| 鵲鸿天 | 只近浮名不近情 | | 元好问(154) |
| 清平乐 | 离肠宛转 | | 元好问(155) |
| 鵲鸿天 | 花界倾颓事已迁 | | 耶律楚材(155) |
| 鵲鸿天 | 去岁今辰却到家 | | 魏初(156) |
| 菩萨蛮 | 故园青草依然绿 | | 刘壩(157) |
| 满江红 | 行遍江南 | | 白朴(157) |
| 临江仙 | 千古武陵溪上路 | | 张弘范(158) |
| 南乡一剪梅 | 南阜小亭台 | | 虞集(159) |

| | | |
|-----|---------|----------|
| 风入松 | 画堂红袖倚清酣 | 虞 集(160) |
| 鹊桥仙 | 花香满院 | 许有壬(161) |
| 沁园春 | 十载炎方 | 许有壬(161) |
| 人月圆 | 伤心莫问前朝事 | 倪 璞(162) |
| 人月圆 | 惊回一枕当年梦 | 倪 璞(163) |
| 满江红 | 六代豪华 | 萨都刺(163) |
| 百字令 | 石头城上 | 萨都刺(164) |
| 水龙吟 | 鸡鸣风雨潇潇 | 刘 基(165) |
| 如梦令 | 一抹斜阳沙觜 | 刘 基(166) |
| 沁园春 | 木落时来 | 高 启(166) |
| 清平乐 | 狂歌醉舞 | 杨 基(167) |
| 临江仙 | 滚滚长江东逝水 | 杨 慎(168) |
| 一剪梅 | 雨打梨花深闭门 | 唐 寅(169) |
| 望江南 | 歌起处 | 王世贞(169) |
| 浣溪沙 | 半枕清寒泪暗流 | 陈子龙(170) |
| 浣溪沙 | 百尺章台撩乱飞 | 陈子龙(170) |
| 江城子 | 一帘病枕五更钟 | 陈子龙(171) |
| 天仙子 | 古道棠梨寒恻恻 | 陈子龙(171) |
| 山花子 | 杨柳凄迷晓雾中 | 陈子龙(172) |
| 卜算子 | 秋色到空闺 | 夏完淳(173) |
| 一剪梅 | 无限伤心夕照中 | 夏完淳(173) |
| 寻芳草 | 几阵杜鹃啼 | 夏完淳(174) |
| 南歌子 | 门掩瑶琴静 | 叶小鸾(174) |

清

| | | |
|-----|---------|----------|
| 菩萨蛮 | 蔷薇未洗胭脂雨 | 李 翘(176) |
| 梦江南 | 悲落叶 | 屈大均(177) |
| 浣溪沙 | 血洒青山尽作花 | 屈大均(177) |

| | | |
|-----|---------|----------|
| 长亭怨 | 记烧烛雁门高处 | 屈大均(178) |
| 贺新郎 | 万事催华发 | 吴伟业(179) |
| 蝶恋花 | 月去疏帘才数尺 | 宋 瓌(180) |
| 桂枝香 | 江山依旧 | 余 怀(181) |
| 忆秦娥 | 黄金陌 | 宋征舆(182) |
| 蝶恋花 | 宝枕轻风秋梦薄 | 宋征舆(182) |
| 踏莎行 | 芳草才芽 | 徐 灿(183) |
| 唐多令 | 玉笛摩清秋 | 徐 灿(184) |
| 更漏子 | 斜月横 | 王夫之(184) |
| 清平乐 | 归禽响暝 | 王夫之(185) |
| 相见欢 | 花前顾影粼粼 | 毛奇龄(186) |
| 南柯子 | 驿馆吹芦叶 | 毛奇龄(186) |
| 点绛唇 | 晴髻离离 | 陈维崧(187) |
| 南乡子 | 秋色冷并刀 | 陈维崧(188) |
| 醉落魄 | 寒山几堵 | 陈维崧(188) |
| 满江红 | 席帽聊萧 | 陈维崧(189) |
| 贺新郎 | 吴苑春如绣 | 陈维崧(190) |
| 好事近 | 分手柳花天 | 陈维崧(191) |
| 桂殿秋 | 思往事 | 朱彝尊(192) |
| 忆少年 | 飞花时节 | 朱彝尊(193) |
| 卖花声 | 衰柳白门湾 | 朱彝尊(193) |
| 解珮令 | 十年磨剑 | 朱彝尊(194) |
| 南楼令 | 疏雨过轻尘 | 朱彝尊(195) |
| 柳梢青 | 何事沉吟 | 彭孙遹(195) |
| 生查子 | 薄醉不成乡 | 彭孙遹(196) |
| 浣溪沙 | 北郭青溪一带流 | 王士禛(196) |
| 浣溪沙 | 白鸟朱荷引画桡 | 王士禛(197) |
| 金缕曲 | 季子平安否 | 顾贞观(197) |

| | | |
|-------|---------|-----------|
| 金缕曲 | 我亦飘零久 | 顾贞观(198) |
| 鹧鸪天 | 院静厨寒睡起迟 | 孔尚任(199) |
| 如梦令 | 万帐穹庐人醉 | 纳兰性德(200) |
| 长相思 | 山一程 | 纳兰性德(200) |
| 采桑子 | 非关癖爱轻模样 | 纳兰性德(201) |
| 浣溪沙 | 谁念西风独自凉 | 纳兰性德(201) |
| 浣溪沙 | 谁道飘零不可怜 | 纳兰性德(202) |
| 南乡子 | 泪咽却无声 | 纳兰性德(202) |
| 山花子 | 林下荒苔道韫家 | 纳兰性德(203) |
| 临江仙 | 飞絮飞花何处是 | 纳兰性德(203) |
| 蝶恋花 | 辛苦最怜天上月 | 纳兰性德(204) |
| 蝶恋花 | 又到绿杨曾折处 | 纳兰性德(204) |
| 蝶恋花 | 今古河山无定据 | 纳兰性德(205) |
| 金缕曲 | 德也狂生耳 | 纳兰性德(206) |
| 南乡子 | 片石撼江皋 | 赵维烈(207) |
| 沁园春 | 花亦无知 | 郑燮(207) |
| 水调歌头 | 偶为共命鸟 | 蒋士铨(209) |
| 卖花声 | 秋水淡盈盈 | 郭磨(210) |
| 浪淘沙 | 水软橹声柔 | 左辅(210) |
| 木兰花慢 | 尽飘零尽了 | 张惠言(211) |
| 水调歌头 | 东风无一事 | 张惠言(212) |
| 虞美人 | 韶华争肯偎人住 | 董士锡(213) |
| 蝶恋花 | 柳絮年年三月暮 | 周济(213) |
| 蝶恋花 | 络纬啼秋啼不已 | 周济(214) |
| 鹊踏枝 | 漠漠春芜春不住 | 龚自珍(215) |
| 减字木兰花 | 人天无据 | 龚自珍(215) |
| 湘月 | 天风吹我 | 龚自珍(216) |
| 临江仙 | 有限春宵无限梦 | 项鸿祚(217) |

| | | |
|-----|---------|----------|
| 清平乐 | 水天清话 | 项鸿祚(217) |
| 清平乐 | 客中心绪 | 项鸿祚(218) |
| 浣溪沙 | 九陌轻尘散钿车 | 项鸿祚(218) |
| 浪淘沙 | 云气压虚阑 | 蒋春霖(219) |
| 柳梢青 | 芳草闲门 | 蒋春霖(219) |
| 卜算子 | 燕子不曾来 | 蒋春霖(220) |
| 清平乐 | 琐窗朱户 | 蒋春霖(220) |
| 虞美人 | 水晶帘卷澄浓雾 | 蒋春霖(221) |
| 蝶恋花 | 城上斜阳依碧树 | 庄 梗(222) |
| 蝶恋花 | 百丈游丝牵别院 | 庄 梗(222) |
| 蝶恋花 | 绿树阴阴晴昼午 | 庄 梗(222) |
| 蝶恋花 | 残梦初回新睡足 | 庄 梗(222) |
| 点绛唇 | 抛尽榆钱 | 王鹏运(223) |
| 浪淘沙 | 华发对山青 | 王鹏运(224) |
| 蝶恋花 | 九十韶光如梦里 | 文廷式(225) |
| 玉楼春 | 梅花过了仍风雨 | 郑文焯(225) |
| 乌夜啼 | 春云深宿虚坛 | 朱孝臧(226) |
| 鹧鸪天 | 野水斜桥又一时 | 朱孝臧(227) |
| 鹧鸪天 | 似水清尊照鬓华 | 朱孝臧(227) |
| 定风波 | 未问兰因已惘然 | 况周颐(228) |
| 苏武慢 | 愁入云遥 | 况周颐(229) |
| 金缕曲 | 瀚海飘流燕 | 梁启超(230) |
| 鹧鸪天 | 祖国沉沦感不禁 | 秋 瑾(231) |
| 浣溪沙 | 山寺微茫背夕曛 | 王国维(231) |

唐五代

菩 萨 蛮

李 白

平林漠漠烟如织。^①寒山一带伤心碧^②。暝色^③
入高楼。有人楼上愁。^④玉阶空伫立^⑤。宿鸟
归飞急。何处是归程。长亭更短亭^⑥。

①平林：原野上的树林。漠漠：迷濛的样子。烟如织：烟雾浓密。②伤心碧：使人伤感的碧绿色。③暝色：暮色。④伫(zhù)立：长时间站立。⑤长亭短亭：官道上供行人休息的亭子。

此词意蕴，似明了而又极朦胧。主人公是游子？是怨妇？词旨是思家乡？叹人生？还是怀远客？恐怕各人有各人的理解。

太白高才，号为诗仙，词亦不凡。《菩萨蛮》、《忆秦娥》两阙，被人尊为“百代词曲之祖”。亦有学者认为二词非李白所作，然未有定论。